Total Pages : 3

B.A/1st Sem (II)/SANS/22/(CBCS)

2022

# SANSKRIT (Honours)

## Paper : GE 1-T

## [Basic Sanskrit]

## (CBCS)

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

*The figures in the margin indicate full marks.*
*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

१। दश प्रश्नानामुत्तरं देयम् : 2×10=20

(क) युष्मत् इति शब्दस्य पञ्चम्याः सप्तम्याश्च द्विवचनरूपाणि लेख्यानि।

(ख) कृधातोः लिटः उत्तमपुरुषस्य रूपाणि लेख्यानि।

(ग) दाधातोः लृटि मध्यमपुरुषस्य द्विवचनरूपं लेख्यम्।

(घ) 'मतिशब्दस्य चतुर्थ्यैकवचनरूपं लेख्यम्।

(ङ) 'लताशब्दस्य प्रथमाबहुवचनरूपं लेख्यम्।

(च) आत्मन्-शब्दस्य षष्ठ्यैकवचनरूपं लेख्यम्।

(छ) जगत्-शब्दस्य तृतीयायाः पञ्चम्याश्च द्विवचनरूपं लेख्यम्।

P.T.O.

(ज) भवत्-शब्दस्य स्त्रियां चतुर्थ्यैकवचनरूपं लेख्यम्।

(झ) मनस्-शब्दस्य तृतीयायाः षष्ठ्याश्च एकवचनरूपं लेख्यम्।

(ञ) ज्ञाधातोः लटि उत्तमपुरुषस्य रूपाणि लेख्यानि।

(ट) एतेषां धातूनां शतृप्रत्ययान्तं रूपं लेख्यम् :

कृ+शतृ, दा+शतृ

(ठ) एतेषां धातूनां शानच्-प्रत्ययान्तं रूपं लेख्यम् :

गम्+शानच्, सेव+शानच्

(ड) सन्धिः कार्यः —

मुने+आगच्छ, पुम्+कोकिलः, द्वाः+एषा, तत्+श्मशानम्

(ढ) सन्धिविच्छेदः करणीयः —

'पितारक्षः, आर्च्छति, सारङ्गः, उपोषति

(ण) वाच्यपरिवर्तनं कुरु-अहं अन्नं खादामि।

२। चतुर्णां उत्तरं लेख्यम् : 5×4=20

(क) तुमुन् प्रत्ययोगेन कत्वायोगेन च कृधातोः किं रूपं भवतीति विलिख्य वाक्यद्वयं निर्मीयताम्।

(ख) सेव्-धातोः लट्लकारस्य सम्पूर्णरूपाणि लेख्यानि।

(ग) साधुशब्दस्य सम्पूर्णरूपं लेख्यम्।

(घ) को नाम स्वरसन्धिः को वा विसर्गसन्धिः सोदाहरणं लेख्यम्।

(ङ) टीका लेख्या — भक्तियोगः।

(च) गीतानुसारं कः प्रियो नरः?

३। द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं देयम्: 10×2=20

(क) गीतायाः द्वादशाध्यायस्य सारः स्वगिरा लेख्यः।

(ख) द्वादशाध्यायानुसारं भगवतः प्रियभक्ताः के भवन्तीति श्लोकोल्लेखपुरःसरं लिख्यताम्।

(ग) व्याकरणशास्त्रस्य परिचयः संक्षेपेण प्रदीयताम्।

(घ) संहितैकपदे नित्या-इति करिकां सम्पूर्णां विलिख्य व्याख्यायताम्।

---

B.A./1st Sem (G)/SANS/22/(CBCS)

2022

# SANSKRIT (General)

## Paper : DSC 1A/2A-T

## [Sanskrit Poetry]

## (CBCS)

Full Marks : 60 Time : 3 Hours

*The figures in the margin indicate full marks.*
*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. दश प्रश्नाः समाधेयाः (संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च) : 2×10=20

यकोन दशटि प्रश्नेर उत्तर संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपिते लेख :

(क) रघुवंशस्य मुख्यः टीकाकारः कः ? तस्य टीकायाः नाम किम् ?

रघुवंशेर मुख्य टीकाकार के? तार टीकार नाम कि?

(ख) रघुवंशस्य मङ्गलाचरणे कयोः स्तुतिः प्राप्यते ?

रघुवंशेर मङ्गलाचरणे कादेर स्तुति करा हय?

(ग) 'शिशुपालवधम्' महाकाव्यस्य उत्सः लिख्यताम्।

'शिशुपालवध' महाकाव्येर उत्स लेख।

P.T.O.

(ঘ) শিশুপালবধে কতি সর্গাঃ সন্তি? দ্বিতীয়সর্গস্য নাম কিম্?

শিশুপালবধে কতগুলি সর্গ আছে? দ্বিতীয় সর্গের নাম কি?

(ঙ) যুধিষ্ঠিরেণ অনুষ্ঠিতযজ্ঞস্য নাম কিম্?

যুধিষ্ঠিরের অনুষ্ঠিত যজ্ঞের নাম কি?

(চ) নীতিশতকং কেন বিরচিতম্? শতকেঽস্মিন্ কতি শ্লোকাঃ বর্তন্তে?

নীতিশতক কে রচনা করেছেন? এই শতকে কতগুলি শ্লোক আছে?

(ছ) কেষাং জনানাং সন্তুষ্টিবিধানমসম্ভবম্?

কোন মানুষদের সন্তুষ্টি বিধান করা অসম্ভব?

(জ) 'মনুষ্যরূপেণ মৃগাশ্চরন্তি' কস্মিন্ প্রসঙ্গে কথিতম্?

'মনুষ্যরূপেণ মৃগাশ্চরন্তি' কোন প্রসঙ্গে এই কথা বলা হয়েছে?

(ঝ) পর্বতদুর্গেষু বনচরৈঃ সহ বিচরণং কিমর্থং বরম্?

পর্বতদুর্গে বনচরের সঙ্গে বিচরণ কেন শ্রেষ্ঠ?

(ঞ) কালিদাসস্য মহাকাব্যদ্বয়ং কিম্?

কালিদাসের মহাকাব্য দুটি কি কি?

(ট) নৈষধচরিতং কেন বিরচিতম্? মহাকাব্যস্যাস্য সর্গসংখ্যাঃ কতি?

নৈষধচরিত কে রচনা করেছেন? এই মহাকাব্যের সর্গসংখ্যা কতগুলি?

(ठ) बुद्धचरितं कः रचयामास? महाकाव्यमिदं तेन कस्य महापुरुषस्य जीवनमवलम्ब्य विरचितम्?

বুদ্ধচরিত কে রচনা করেছেন? এখানে তিনি কোন মহাপুরুষের জীবন আশ্রয় করেছেন?

(ड) किरातार्ज्जुनीये महाकाव्ये किरातः कः?

কিরাতার্জ্জুনীয় মহাকাব্যে কিরাত কে ছিলেন?

(ढ) नन्दिनी कस्याः पुत्री आसीत्?

নন্দিনী কার কন্যা ছিল?

(ण) सर्वंकषा इति टीकायाः रचनाकारः कः?

সর্বংকষা টীকার রচনাকার কে?

2. चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः — 5×4=20

চারটি প্রশ্ন সমাধান কর —

(क) दिलीपस्य वशिष्ठाश्रमगमनम् आलोच्यताम्।

দিলীপের বশিষ্ঠাশ্রম গমন আলোচনা কর।

(ख) व्याख्यायताम् —

ব্যাখ্যা কর —

क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्॥

ক্ব সূর্যপ্রভবো বংশঃ ক্ব চাল্পবিষয়া মতিঃ।
তিতীর্ষুর্দুস্তরং মোহাদুড়ুপেনাস্মি সাগরম্।।

P.T.O.

(গ) नीतिशतके विद्यायाः प्रशंसा प्रतिपाद्यताम्।

নীতিশতকে বিদ্যার প্রশংসা প্রতিপাদন কর।

(ঘ) टीका लेख्या — किरातार्জ্জুनीयम्

টীকা লেখ — কিরাতার্জ্জুনীয়ম্

(ঙ) 'उपमा कालिदासस्य' आलोच्यताम्।

'উপমা কালিদাস' আলোচনা কর।

(চ) भर्तृहरेः शतकत्रयविषये टीका लेख्या।

ভর্তৃহরির শতকত্রয় বিষয়ে টীকা লেখ।

3. प्रश्नद्वयं समाधेयम् — 10×2=20

দুটি প্রশ্ন সমাধান কর —

(क) राज्ञः दिलीपस्य चरित्रमालोच्यताम्।

রাজা দিলীপের চরিত্র আলোচনা কর।

(ख) नीतिशतके नीतिमूलकः सदुपदेशः विव्रियताम्।

নীতিশতকে নীতিমূলক সদুপদেশ বর্ণনা কর।

(গ) पाठ्यांशे पठितस्य शिशुपालवधस्य द्वितीयसर्गस्य विषयवस्तु आलोच्यताम्।

পাঠ্যাংশে পঠিত শিশুপালবধের দ্বিতীয় সর্গের বিষয়বস্তু আলোচনা কর।

(घ) मेघदूतमवलम्ब्य एकः प्रबन्धः लेख्यः।

কালিদাসের মেঘদূত অবলম্বনে একটি প্রবন্ধ লেখ।